



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 537] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 16, 1976/अग्रहायण 25, 1898

No. 537] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 16, 1976/AGRAHAYANA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 15th December 1976

S.O. 799(E).—Whereas the Central Government is of opinion in respect of the Tea Unit known as Nahorjan Tea Estate situated in the district of Sibargar owned by Messrs Nahorjan Tea Company (Private) Limited, that—

- (a) the persons owning the tea unit have habitually made default in the payment of provident fund dues of workers and other employees, and other dues as they are under an obligation to pay under certain laws for the time-being in force; and
- (b) the tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of the said tea unit, a body of persons consisting of:—

- (1) Shri S. S. Nandkeolyar, Director of Tea Development, Tea Board,
- (2) Shri P. K. Das Gupta, Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Tea Board.

(3) Shri B. K. Bhuyan, Agri-Production Commissioner, Government of Assam, Dispur, Gauhati.

(4) Shri G. P. Prabhu, Deputy Finance Officer, Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhavan, New Delhi.

2. The said body shall submit its report to the Central Government within a period of 90 days from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. B. 12012(8)/76-Plant(A)]

P. K. KAUL, Addl. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1976

का० आ० 799(अ).—केन्द्रीय सरकार की, मैसर्स नाहोरजान टी कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, के स्वामित्वाधीन, सिबसागर जिले में स्थित नाहोरजान टी एस्टेट नामक चाय एकक की बाबत यह राय है कि—

(क) चाय एकक के स्वामियों ने कर्मकारों तथा अन्य कर्मचारियों के भविष्य निधि देयों तथा ऐसे अन्य देयों का, जिसका संदाय करने के लिए वे तत्समय प्रवृत्त कतिपय विधियों के अधीन बाध्य हैं संदाय करने में बारम्बार व्यतिक्रम किया है; और

(ख) चाय एकक का प्रबन्ध ऐसे ढंग से किया जा रहा है, जो चाय उद्योग तथा लोक हित के लिए बहुत अहितकर है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त चाय एकक के मामलों का पूर्ण और व्यापक अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

1. श्री एस० एस० नन्दकुलियार, निदेशक, चाय विकास, चाय बोर्ड, कलकत्ता ।
2. श्री पी० के० दासगुप्त, वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, चाय बोर्ड, कलकत्ता ।
3. श्री बी० के० भुयाँ, कृषि उत्पाद आयुक्त, आसाम सरकार, दीसपुर, गौहाटी-6 ।
4. श्री जी० पी० प्रभू, उप वित्त अधिकारी, लोक उद्यम ब्यूरो, मयूर भवन, नई दिल्ली ।

2. उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा ।

[सं० बी० 12012 (8) /76 प्लान्ट (ए)]

पी० के० कौल, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
निर्धनक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976